प्रतिनिधियों का वक्तव्य – 2021 महिला सुरक्षा राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन

उद्देश्य और पृष्ठभूमि

सभी के पास सुरक्षा का अधिकार है। महिलाओं और बच्चों के प्रति हिंसा से मुक्त समुदाय के हमारे साझे दृष्टिकोण को प्राप्त करने के उद्देश्य से सभी आस्ट्रेलियावासियों के लिए यह एक प्राथमिकता होनी आवश्यक है कि घरेलू, पारिवारिक और यौन हिंसा सहित लिंग-आधारित हिंसा के सभी प्रारूपों को संबोधित किया जाए।

महिला सुरक्षा राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन (शिखर सम्मेलन) [National Summit on Women's Safety (Summit)] का आयोजन 6 और 7 सितंबर 2021 को हुआ था, तथा 2 और 3 सितंबर 2021 को विशिष्ट मुद्दों पर चर्चा की गई थी। लिंग-आधारित हिंसा के जीवंत अनुभव वाले लोगों सहित लगभग 400 लोगों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं, अधिवक्ताओं, व्यापार जगत के अग्रणियों और सांसदों ने एक-साथ आकर इस बारे में चर्चा की कि हम महिलाओं और बच्चों के प्रति हिंसा को समाप्त करने के लिए साथ मिलकर कैसे काम कर सकते हैं।

इन चर्चाओं से महिलाओं और बच्चों के प्रति हिंसा समाप्त करने की राष्ट्रीय योजना के तहत कार्यों (अगली राष्ट्रीय योजना) को सूचित किया जाएगा।

अगली राष्ट्रीय योजना विकसित करने की जिम्मेदारी राष्ट्रमंडल, राजकीय और क्षेत्रीय महिला सुरक्षा मंत्रियों से बने राष्ट्रीय महासंघ सुधार परिषद महिला सुरक्षा कार्यबल (कार्यबल) (National Federation Reform Council Women's Safety Taskforce (Taskforce)] की है। अगली राष्ट्रीय योजना लिंग-आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए सभी सरकारों के व्यय का मार्गदर्शन करने का प्राथमिक साधन होगी। इसमें यह भी शामिल है कि हम अंतर मिटाने के लिए राष्ट्रीय समझौते (राष्ट्रीय समझौते) [National Agreement on Closing the Gap (National Agreement)] के लक्ष्य 13 को कैसे प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय समझौते (National Agreement) का उद्देश्य आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) महिलाओं और लड़कियों के प्रति पारिवारिक हिंसा और दुर्व्यवहार के सभी प्रारूपों को शून्य की दिशा में प्रगति के रूप में 2031 तक कम से कम 50 प्रतिशत तक घटाना है। इसमें राष्ट्रीय समझौते (National Agreement) के तहत चार प्राथमिकता सुधार क्षेत्रों (Priority Reform Areas) को पूरा करने के लिए साथ-मिलकर काम करना भी शामिल है।

यह प्रतिनिधि वक्तव्य शिखर सम्मेलन के प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों की आवाजों को व्यक्त करता है, जिनमें विविधतायुक्त जीवंत अनुभव वाले लोग भी शामिल हैं। इसमें कार्यबल के सदस्यों द्वारा नामित प्रत्येक राज्य और राज्य-क्षेत्र के प्रतिनिधि, साथ ही पारिवारिक, घरेलू और यौन हिंसा पर आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी सलाहकार परिषद (Aboriginal and Torres Strait Islander Advisory Council) के राष्ट्रीय योजना सलाहकार समूह (National Plan Advisory Group) के सदस्य भी शामिल हैं। इसका मसौदा (प्रारूप) प्रत्येक राज्य और राज्य-क्षेत्र के चुने गए प्रमुख प्रतिनिधियों द्वारा तैयार किया गया है। यह चार दिनों में हुई समृद्ध चर्चाओं का सर्वसमावेशी रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि प्रतिनिधियों द्वारा पहचाने गए प्रमुख विषयों और विचारों का सारांश है।

शिखर सम्मेलन के बाद भी विचार जानना जारी रखना आवश्यक है, ताकि सभी की आवाजें सुनी जाएँ और अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में कार्य-योजना को सूचित किया जा सके। हम राष्ट्रमंडल, राज्य और राज्य-क्षेत्र की सरकारों से लिंग-आधारित हिंसा को समाप्त करने को एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने का आह्वान करते हैं।

महिलाओं और उनके बच्चों के प्रति हिंसा को कम करने की राष्ट्रीय योजना 2010-2022 (National Plan to Reduce Violence against Women and their Children 2010-2022) पर प्रतिबिंबन

महिलाओं और उनके बच्चों के प्रति हिंसा को कम करने की राष्ट्रीय योजना 2010-2022 (2010-2022 राष्ट्रीय योजना) [National Plan to Reduce Violence against Women and their Children 2010-2022 (2010-2022 National Plan)] ने इस बात को स्वीकार किया कि महिलाओं के लिए पारिवारिक, घरेलू और यौन हिंसा का अनुभव करने के साथ-साथ घर से बाहर हिंसा के अन्य स्वरूपों, जिसमें संस्थागत परिवेशों में हिंसा, सार्वजनिक स्थानों पर पीछा किया जाना और यौन उत्पीड़न तथा प्रौद्योगिकी द्वारा सुविधाकृत शोषण किए जाने की संभावना पुरुषों की तुलना में अधिक होती है[1]। 2010-2022 राष्ट्रीय योजना (National Plan) ने पहली बार महिलाओं के प्रति सभी प्रकार की हिंसा को एक-साथ संबोधित करने के लिए सभी ऑस्ट्रेलियाई सरकारों के सामूहिक प्रयासों को एकीकृत किया।

2010-2022 राष्ट्रीय योजना (National Plan) के तहत सरकारों ने महिलाओं और उनके बच्चों के प्रति हिंसा को रोकने और संबोधित करने के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचे की स्थापना की और सेवाओं द्वारा प्रतिक्रियाओं को मजबूत बनाने के लिए साथ मिलकर काम किया। इसमें हमारी निगरानी (Our Watch), ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय महिला सुरक्षा संगठन (एनरोज़) [Australia's National Research Organisation for Women's Safety (ANROWS)], 1800RESPECT, *आरंभ में ही रोकथाम करें (Stop it at the Start)* अभियान, विशिष्ट सेवाओं के लिए समर्थन, आपातकालीन आवास और घर पर सुरक्षित कार्यक्रमों की स्थापना करना तथा अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य को समर्थन देना शामिल था, ताकि साथ-मिलकर काम करने वाला एक तंत्र प्रदान किया जा सके।

हालांकि 2010-2022 राष्ट्रीय योजना (National Plan) ने एक ठोस नींव स्थापित की और महिलाओं के प्रति हिंसा तथा लैंगिक असमानता, इन दोनों विषयों के बारे में लोगों के ज्ञान और समझ में सुधार किया, किंतु महिलाओं और बच्चों के प्रति हिंसा को समाप्त करने के लिए और अधिक कदम उठाने अभी भी बाकी हैं। साथ ही प्रगति को मापना और यह सुनिश्चित करना भी बाकी है कि हम सही तरीके से पैसों का निवेश कर रहे हैं। इसके केंद्र में महिलाओं के प्रति हिंसा की रोकथाम में निवेश करने तथा लैंगिक संचालकों को संबोधित करने के हमारे प्रयास हैं, जो लैंगिक असमानता तथा व्यक्तिगत व्यवहार और नज़रिए को मजबूत करने वाली नीतियों, कार्य-प्रथाओं और संरचनाओं में व्याप्त हैं।

राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन (National Summit) में की गई चर्चाएँ इन मजबूत बुनियादों को और आगे बढ़ाने तथा महिलाओं और बच्चों के प्रति हिंसा को समाप्त करने के हमारे सहयोगात्मक राष्ट्रीय प्रयासों की प्रगति पर केंद्रित थीं। यह आवश्यक है कि हम 2010-2022 राष्ट्रीय योजना (National Plan) की सफलताओं और सीमाओं, इन दोनों के बारे में चिंतन करें, ताकि जिन बातों को अभी भी हासिल करने, निधीकृत करने और अंतिम स्वरूप देने की आवश्यकता है, उन्हें आधार बनाकर और आगे बढ़ाया जा सके।

शिखर सम्मेलन में महत्वपूर्ण रूप से ऐसे उभरते हुए मुद्दों पर भी विचार किया गया, जो महिलाओं और बच्चों को सभी प्रकार की हिंसा से मुक्त रहने से रोकते हैं। COVID-19 महामारी को देखते हुए सरकारों को एक पीढ़ी में मिलने वाला एकमात्र अवसर प्राप्त हो पाया है, जिसमें महिलाओं के प्रति हिंसा को रोकने और प्रमुखतः पुरुषों द्वारा हिंसक और अपमानजनक व्यवहार के प्रारूपों के इस्तेमाल को बाधित करने के लिए सरकारें नीतिगत ढांचा बनाने में सक्षम हो सकती हैं।

शिखर सम्मेलन में हुई बातचीत में इस बात पर भी बल दिया गया कि 2010-2022 राष्ट्रीय योजना (National Plan) के तहत हमें आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) महिलाओं और बच्चों के लिए सुधार नहीं दिखाई दिए हैं। सभी सरकारी स्तरों पर प्रथम राष्ट्रों (First Nations) के लोगों की आवाज़ को सुनने और यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कार्य नहीं किया गया है कि आदिवासी और

---

[1] ABS. 2017. Personal Safety, Australia Survey

टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) संगठनों द्वारा अपने-अपने सामुदायिक नेतृत्व के तहत समाधानों को विकसित और वितरित किया जा सके।

हमारे पास अपने समाज और अर्थव्यवस्था के पहलुओं की इस प्रकार से पुनर्कल्पना करने और उन्हें बदलने का मौका है, जो न केवल अनुकूलनीयता को बढ़ाएगा और देश को इस संकट से अधिक तेजी से उबरने में सहायता देगा, बल्कि इससे महिलाओं के प्रति हिंसा को रोकने और लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने के हमारे प्रयासों को बढ़ावा और तेजगति भी प्राप्त होगी।

शिखर सम्मेलन में चर्चाएँ

पैनल

प्रतिभागियों के पास अनेकानेक विशेषज्ञ पैनलिस्टों की ओर से सुनने और उनसे प्रश्न पूछने का अवसर था। विशेषज्ञ पैनलों के पास उभरते हुए प्रमाणों को साझा करने, आशाजनक और प्रभावी कार्यप्रथाओं पर प्रकाश डालने और लिंग-आधारित हिंसा के सभी प्रारूपों को समाप्त करने के लिए काम करने वाले लोगों की ओर से सीधे सुनने का अवसर था।

पारिवारिक, घरेलू और यौन हिंसा पैनल के आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासियों (Aboriginal and Torres Strait Islanders) के अनुभवों ने इस बात को मान्यता दी कि आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों के लिए सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और आघात-सूचित रोकथाम कार्य तथा हिंसा के प्रति उत्तरों की अवरचना और कार्यान्वयन का नेतृत्व किया जाना चाहिए, तथा उन्होंने प्रथम राष्ट्रों (First Nations) की महिलाओं के लिए एक विशिष्ट योजना पर चर्चा की। *आर्थिक स्वतंत्रता (Financial freedom): आर्थिक सुरक्षा का निर्माण और आर्थिक शोषण से संरक्षण* पैनल ने महिलाओं के आर्थिक संरक्षण, स्वतंत्रता, और सुरक्षा के बीच परस्पर व्यवहारों के बारे में भी खोज-बीन की, जिसमें आर्थिक शोषण की रोकथाम करने तथा और अधिक सुरक्षित आवास प्रदान करने के लिए काम करने की आवश्यकता भी शामिल थी। *Respect@Work* और *महिलाओं के प्रति हिंसा के मार्गपथ के बारे में सभी को चिंतन करना चाहिए* पैनलों ने सरकारों, संगठनों और कार्य-नियोक्ताओं द्वारा लैंगिक समानता की दिशा में की जाने वाली पहलों में उनकी भूमिकाओं पर चर्चा की, जो वे हिंसा की रोकथाम करने, महिलाओं के लिए सुरक्षित कार्यस्थल परिवेश उपलब्ध कराने और कार्यस्थल के अंदर या बाहर हिंसा का सामना कर रही महिलाओं को समर्थन देने के लिए अदा कर सकते हैं।

मार्ग में परिवर्तन: अपराधी हस्तक्षेप, बलपूर्वक नियंत्रण और आरंभिक हस्तक्षेप पैनल ने इस बारे में चर्चा की कि महिलाओं और बच्चों के लिए परिणामों को बदलने की दिशा में हम सभी हिंसा और शोषण के खतरे की पहचान बेहतर तरीके से कैसे कर सकते हैं। साथ ही हम अपराधियों को अपने व्यवहार को बदलने और पुरुषों को हिंसक कृत्य करने से रोकने के लिए जवाबदेह कैसे बना सकते हैं। *पुलिस और न्याय संबंधी प्रतिक्रियाएँ* पैनल ने इस बारे में भी चर्चा की कि हिंसा का जवाब देने में न्याय प्रणाली की भूमिका क्या होगी और किस प्रकार से उत्तरजीवियों-पीड़ितों को रिपोर्ट करने और न्याय की खोज करने में सबसे अच्छी तरह से समर्थन दिया जा सके। *यौन हिंसा की रोकथाम और प्रतिक्रिया पैनल* ने महिलाओं के प्रति हिंसा के लिंग-अधारित संचालकों को संबोधित करने के महत्व की जांच की, ताकि यह फिर से न हो पाए। इसमें यौन हिंसा को रोकने के साधन के रूप में सम्मानजनक संबंधों को बढ़ावा देने और यौन हिंसा के पीड़ित-उत्तरजीवियों को समर्थन देने के लिए विशिष्ट प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता होना भी शामिल था।

गोलमेज सम्मेलन

गोलमेज सत्र विशेषज्ञों के लिए अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में प्रमुख प्राथमिकताओं पर गहन विचार-विमर्श करने के महत्वपूर्ण अवसर थे। लोगों को व्यक्तिगत या संवेदनशील जानकारी साझा करने के लिए गोपनीयता और सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से गोलमेज सम्मेलन जनता के लिए सुलभ नहीं थे।

गोलमेज सम्मेलनों में आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों, महिलाओं और विकलांगता-ग्रस्त बच्चों, प्रवासी व शरणार्थी महिलाओं और समुदायों, स्वयं बच्चों और युवा लोगों, कुछ अधिक आयु की महिलाओं, LGBTIQA+ लोगों और क्षेत्रीय तथा दूर-दराज के क्षेत्रों में महिलाओं की अलग-अलग परिस्थितियों और विविधतापूर्ण जीवंत अनुभवों का अन्वेषण किया गया। गोलमेज सम्मेलनों में इस बात पर भी चर्चा की गई कि हिंसा के अनुभवों के साथ इनका प्रतिच्छेदन कैसे होता है और इनके लिए अनुरूपित, सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता है। चर्चाओं में विशेषज्ञ और मुख्यधारा सेवाओं, स्वास्थ्य प्रणालियों और कानूनी सेवाओं की प्रणाली में परिवर्तन भी शामिल थे। हिंसा के विशिष्ट अनुभवों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें बलपूर्वक नियंत्रण और प्रौद्योगिकी-सुविधाकृत शोषण, अपराधी का हस्तक्षेप करने में सुधार और पुरुषों और लड़कों के साथ मिलकर काम करना शामिल था। जिस प्रकार से लैंगिक असमानता को बनाए रखने वाली प्रणालियों और संरचनाओं को संबोधित करने की आवश्यकता पर सहमति प्राप्त की गई, उसी प्रकार से सभी क्षेत्रों में प्राथमिक रोकथाम की आवश्यकता को भी स्वीकार किया गया।

अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) के लिए प्रतिनिधियों की प्राथमिकताएँ

अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में सभी मुद्दों के संबंध में ये बातें आवश्यक होंगी:

- हिंसा के शुरू होने से पहले ही इसकी **प्राथमिक रोकथाम** करने के लिए हमारे मजबूत आधार पर आगे निर्माण जारी रखना तथा लंबे समय में दृष्टिकोण, सांस्कृतिक, प्रणालीगत और व्यवहार में परिवर्तन हासिल करना।
- **चाहे कोई भी राजनीतिक पार्टी हो, लंबे समय के लिए सरकारों के सभी स्तर पर सरकारी वित्त-पोषण के माध्यम से रोकथाम, हस्तक्षेप, प्रतिक्रिया और बहाली के लिए समर्थन** प्राप्त करना। अच्छा काम कर रही मौजूदा सेवाओं के साथ-साथ नई प्रतिक्रियाओं को भी वित्त-पोषण के माध्यम से समर्थित किया जाना चाहिए और अग्रिम-पंक्ति की सेवाओं के लिए दीर्घकालिक, सेवा-स्तर का वित्त-पोषण प्रदान किया जाना चाहिए, जिसमें आवास और पक्ष-समर्थन भी शामिल है। इसके लिए आवश्यकताओं के आधार पर वित्त-पोषण को ध्यान में रखना अनिवार्य है। प्रतिनिधियों ने सभी नीतिगत मुद्दों के संदर्भ में अग्रिम-पंक्ति में परस्पर प्रतिच्छेदन और भ्रम पैदा होने से बचने के उद्देश्य से तथा सेवाओं के वितरण में अंतराल को मिटाना सुनिश्चित करने के लिए सरकार के अलग-अलग स्तरों की भूमिकाओं के बारे में स्पष्टता का आह्वान किया। इस मुद्दे पर नेतृत्व करने के लिए सरकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है, और साथ ही उद्योग व संगठनों के साथ साझेदारी सहित प्रणालियों में समन्वयन सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। इसे संभव बनाने में सहायता के लिए अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में प्रशासन तंत्र स्पष्ट होना चाहिए, जिसमें विशेषज्ञों और गैर-सरकारी संगठनों के साथ सहयोगात्मक संलग्नता भी शामिल है।
- इस बात को मान्यता देना कि **आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों के लिए अपने समुदायों में प्रतिक्रियाओं का नेतृत्व** करना आवश्यक है और अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) यह सुनिश्चित करे कि **अंतर मिटाने के लिए राष्ट्रीय समझौते (National Agreement on Closing the Gap) में निहित प्रतिबद्धताओं को प्रत्येक तत्व में शामिल किया जाता है**। अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) को राष्ट्रीय समझौते (National Agreement) के तहत उल्लिखित आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों की आत्म-निर्णयात्मकता के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। इसके लिए यह आवश्यक है कि सभी प्रभावित लोग प्रणालीगत नस्लवाद का सामना करने के प्रयासों को प्राथमिकता दें और सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित प्रथाओं तथा समग्र दृष्टिकोणों को बढ़ावा दें, जो आघात को भी संबोधित करती हैं।
    - यह आवश्यक है कि आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों के पास राष्ट्रीय योजना (National Plan) के तहत परिवार की सुरक्षा को

संबोधित करने के उद्देश्य से प्रथम राष्ट्रों (First Nations) के लिए एक विशिष्ट कार्य योजना है, तथा उन्हें अपने समुदायों में सभी कार्यों और प्रतिक्रियाओं का नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाया जाता है।

- हिंसा की ओर ले जाने वाले दृष्टिकोणों और व्यवहारों को बाधित करने के लिए **पुरुषों और लड़कों** के साथ काम करने को प्राथमिकता देना, तथा पूरे समुदाय में नेतृत्व वाले पदों में पुरुषों को संलग्न करने का प्रयास करना, ताकि उनके संदर्भ में परिवर्तन की आवश्यकता को स्पष्ट किया जा सके।
- विशेषकर पीड़ित-उत्तरजीवियों के अनुभवों समेत अन्य **विविधतापूर्ण जीवंत अनुभवों** को सुनकर तथा उनके साथ संलग्न होकर सूचित बनना, जो नीतियों और समाधान के विकास को सूचित करने तथा क्या कारगर होगा - इसे समझने के लिए अतिमहत्वपूर्ण है। इस जीवंत अनुभव को नस्ल, आयु, विकलांगता, संस्कृति, लैंगिक पहचान, लिंग तथा पहचान के अन्य प्रारूप भी प्रभावित करते हैं। लिंग-आधारित हिंसा के पीड़ित-उत्तरजीवियों को ऐसे निर्णयों में शामिल करना आवश्यक है, जो उनके जीवन पर प्रभाव डालते हैं।
- **लैंगिक समानता का समर्थन करना** और **अन्य प्रकार के भेदभाव, असमानता और नुकसान के साथ लैंगिक असमानता के जटिल प्रतिच्छेदन** को संबोधित करना। प्रतिनिधियों ने प्राथमिक रोकथाम, आरंभिक हस्तक्षेप, संकट और बहाली, तथा सभी सेवा प्रणालियों में इसपर विचार करने का आह्वान किया, ताकि सभी के लिए विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध हो सके, जिनमें अधिक जटिल या सूक्ष्म-प्रतिक्रियात्मक सेवाओं की आवश्यकता वाले लोग भी शामिल हैं। सामुदायिक नेतृत्व के तहत की जाने प्रतिक्रियाओं को प्राथमिकता दिया जाना आवश्यक है।
- निवेश और कार्यक्रम में सुधार को सूचित करने और हमें अपनी प्रगति व प्रदर्शन का अनुरेखण करने में सक्षम बनाने के लिए **प्रभावी अनुसंधान, डेटा और आकलन** की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देना। इसका निर्माण व्यक्तिगत सुरक्षा सर्वेक्षण (Personal Safety Survey) और राष्ट्रीय सामुदायिक दृष्टिकोण सर्वेक्षण (National Community Attitudes Survey) जैसे मौजूदा प्रमाणिक आधारों पर किया जाना चाहिए। यह लंबे समय के लिए होना चाहिए और इसे हिंसा के अंतर्निहित संचालकों तथा प्राथमिक रोकथाम की दिशा में राष्ट्रीय प्रगति का मापन कर पाने में सक्षम होना चाहिए।
- **न्याय तथा आघात से बहाली** तथा महिलाओं और बच्चों के प्रति हिंसा के कारण अप्रकट और अनसुलझे आघात से बहाली के उद्देश्य से सरकारी सहायता की आवश्यकता के महत्व को मान्यता देना।
- इस बात पर जोर देना कि **महिलाओं और बच्चों के प्रति पुरुषों की हिंसा** को **सभी परिवेशों में संबोधित** करने का लक्ष्य रखा जाना चाहिए, जिसमें कार्यस्थल, शिक्षा, सार्वजनिक स्थान, संस्थागत और अन्य सामुदायिक स्थलों के साथ-साथ घरेलू परिवेश भी शामिल हैं। इसमें पौरुष के प्रमुख स्वरूपों, लिंग-आधारित सख्त रूढ़िबद्धता और आक्रामकता के आधार पर सहपुरुष संबंधों की रोकथाम का कार्य शामिल होना चाहिए।
- पुलिस, न्याय प्रणालियों और अग्रिम सेवाओं जैसे क्षेत्रों में **प्रशिक्षण और कार्यबल का विकास तथा समर्थन** सुनिश्चित करना, ताकि विशेषज्ञ रोकथाम, हस्तक्षेप, प्रतिक्रिया और बहाली सेवाओं के पूरे सातत्य में सभी लोगों के लिए घरेलू, पारिवारिक और यौन हिंसा के प्रति प्रतिक्रियाओं और समर्थम की उपयुक्तता सुनिश्चित की जा सके, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या जीवंत अनुभव कुछ भी हों।
- **न्याय प्रणाली में लगातार सुधार करना**, ताकि यौन, घरेलू और पारिवारिक हिंसा से प्रभावित लोगों को न्याय प्राप्त करने में समर्थ बनाना तथा हिंसा एवं दुर्व्यवहार का उपयोग करने वाले लोगों को जवाबदेह बनाना सुनिश्चित किया जा सके, और हिंसा की रोकथाम को संबोधित करने के लिए अन्य परिवर्तनकारी कार्यनीतियों का पता लगाया जा सके।
- इस बात की पहचान करना कि **समुदाय के नेतृत्व के तहत और स्थल के आधार पर की जाने वाली प्रतिक्रियाएँ** सामुदायिक संगठनों के साथ मजबूत और स्थायी साझेदारी को बढ़ावा देने के माध्यम से लिंग-आधारित हिंसा के विविध स्वरूपों को संबोधित करने में महत्वपूर्ण हैं।

- यह सुनिश्चित करना कि **बच्चों और युवा लोगों को हिंसा के पीड़ितों और उत्तरजीवियों के रूप में अभिस्वीकृति दी जाती है**, जिसमें पूरे जीवन-भर के लिए गंभीर नकारात्मक परिणाम और आर्थिक लागतें शामिल हैं।
- अन्य राष्ट्रीय कार्यनीतियों और पहलों के साथ जोड़ना, ताकि हमारे पास **लिंग-आधारित हिंसा के सभी स्वरूपों, विशेषकर घरेलू, पारिवारिक और यौन हिंसा को समाप्त करने** के लिए एक समन्वित और अंतर्क्षेत्रीय दृष्टिकोण उपलब्ध रहे।
- इस बात को पहचान देना कि महिलाओं के प्रति हिंसा को समाप्त करना **सभी की जिम्मेदारी** है और सभी को नेतृत्व की भूमिका निभानी है, विशेष रूप से **व्यवसायों** को। इसमें इस बारे में गंभीर तरीके से सोचना शामिल हो सकता है कि व्यवसाय अपने कार्यबलों में लैंगिक समानता और उत्पादों व सेवाओं के डिज़ाइन को सुरक्षित बनाने तथा शोषण की रोकथाम करने के लिए बढ़ावा कैसे दे सकते हैं, और क्या अपरिवर्तनकारी प्रणालियां अनजाने में ही लिंग-आधारित हिंसा का समर्थन करने वाले दृष्टिकोणों और व्यवहारों को सक्षम बना रही हैं।

हिंसा के शुरू होने से पहले ही इसे रोकने के लिए हमारा ध्यान निवारण पर केंद्रित होना चाहिए

प्राथमिक रोकथाम को हमारी दीर्घकालिक रणनीति को रेखांकित करना आवश्यक है, ताकि लिंग-आधारित हिंसा के सभी प्रारूपों से प्रभावित होने वाली महिलाओं और बच्चों तथा अन्य लोगों के प्रति हिंसा के शुरू होने से पहले ही इसकी रोकथाम की जा सके। इसमें न केवल व्यक्तिगत स्तर पर दृष्टिकोणों और व्यवहारों को बदलना, बल्कि साथ में संगठनात्मक, सामुदायिक, प्रणाली-व्यापी और सामाजिक स्तरों समेत अन्य सभी परिवेशों - जहाँ लोग सीखते हैं, काम करते हैं, निवास करते हैं और खेलते हैं, तथा व्यक्ति-विशेषों, परिवारों और समुदायों - के साथ कार्यवाही करना भी शामिल है।[2] सरकार, व्यापार और समुदाय समेत सभी क्षेत्रों से आने वाली सभी संस्कृतियों की महिलाओं द्वारा संपूर्ण जन भागीदारी और दिखाई देने वाले नेतृत्व की आवश्यकता है। हमें विविधतापूर्ण समुदायों की आवाजें सुननी चाहिए और उनकी आवश्यकतानुसार रोकथाम और शीघ्र हस्तक्षेप प्रतिक्रियाओं को अनुकूलित करने के लिए साथ-मिलकर काम करना चाहिए।

निवारक दृष्टिकोणों में ऐसे सशक्त करने और बढ़ावा देने वाले कारकों को संबोधित करने की आवश्यकता है, जो पारिवारिक, घरेलू और यौन हिंसा को और भी तीव्र बना सकते हैं - इसमें स्वयं अपराधी का हिंसा, आघात, विकलांगता और एल्कोहल तथा अन्य मादक-पदार्थों के उपयोग का जीवंत अनुभव शामिल है। उदाहरण के लिए, अपराधियों द्वारा एल्कोहल के दुरुपयोग की उच्च दरों तथा उनके मस्तिष्क में हुई क्षति की असंगत रूप से उच्च दरों को देखते हुए इस बारे में आगे काम करने के लिए बेहतर समझ हासिल करने की आवश्यकता है कि बढ़ावा देने वाले कारक हिंसक व्यवहार को कैसे प्रभावित कर सकते हैं, और जहाँ उचित हो, उद्योग के साथ साझेदारी में काम करने के लिए इन कारकों का पता लगाया जाना चाहिए।

लैंगिक समानता प्राप्त करना हिंसा को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है

सभी महिलाओं को हिंसा और उत्पीड़न से मुक्त रहने और काम करने का अधिकार है, चाहे उनकी पहचान, क्षमता, नस्ल और पदस्थिति कुछ भी हो। हमें लैंगिक असमानता के सामाजिक संदर्भ पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि हमें हिंसा के लैंगिक संचालकों को संबोधित करने की अनुमति देने वाले एक परिवेश का निर्माण किया जा सके, जिसका अन्य सामाजिक अन्यायों के साथ प्रतिच्छेदन है और जिसमें हिंसा होने की संभावना अधिक रहती है। इसमें नेतृत्व और निर्णय लेने की भूमिकाओं में महिलाओं का एक-समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना और महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा तथा वित्तीय सुरक्षा के लिए नीतिगत व संरचनात्मक अवरोधकों को संबोधित करना शामिल है। इसमें वेतनीय मातृत्व अवकाश में सुधारों, सेवानिवृत्ति की महत्वपूर्ण

[2] 'Change the Story', OurWatch, www.ourwatch.org.au/change-the-story/

भूमिका, आय समर्थन, चाइल्डकैअर का उपयोग और अधिक आयु की महिलाओं के लिए समर्थन को ध्यान में रखने की आवश्यकता है, जिनके लिए विशेषकर आर्थिक असुरक्षा का खतरा अधिक रहता है। इसमें सरकार, व्यवसाय और यूनियनों द्वारा एक-साथ आकर सभी के लिए वेतनीय पारिवारिक एवं घरेलू हिंसा अवकाश की सुलभता विकसित करने की उनकी संयुक्त भूमिका को मान्यता देने की आवश्यकता है।

हमें महिलाओं और पुरुषों पर COVID-19 के अलग-अलग प्रभावों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा और आर्थिक संरक्षण पर इसके प्रभाव, तथा महामारी से बहाली के हमारे प्रयासों से प्रस्तुत होने वाले अवसरों को, जिनसे लैंगिक असमानता को और भी कम किया जा सकता है, मान्यता देने की आवश्यकता है। हमने इस बात पर ध्यान दिया है कि राष्ट्रीय मंत्रिमंडल (National Cabinet) ने महिलाओं के आर्थिक सुरक्षा लक्ष्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सुसंगत रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क विकसित करने के लिए सहमति दी है।

आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों के लिए परिणामों में सुधार लाना एक प्राथमिकता है

आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander), महिलाएँ, बच्चे और पुरुष सुरक्षा और संपूर्ण मानवीय गरिमा के साथ अपना जीवन जीने के हकदार हैं। पारिवारिक हिंसा एक घृणित कृत्य है, यह आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) संस्कृतियों के लिए सम्मान की कमी के बारे में है और आदिवासी या टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) समाजों में इसके लिए कोई जगह नहीं है; लेकिन इसके समाधान जटिल और विविध होते हैं तथा इनके लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और कार्यवाही की आवश्यकता होती है। राष्ट्रीय योजना के तहत अपने में ही विमुक्त एक राष्ट्रीय आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) कार्य योजना होने की आवश्यकता है।

अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) का कार्यान्वयन अंतर मिटाने के लिए राष्ट्रीय समझौते (National Agreement on Closing the Gap) पर सरकार की प्रतिबद्धता का समर्थन करेगा, विशेष रूप से चार सुधार प्राथमिकताओं और लक्ष्य 13 के संबंध में। इसे मौजूदा प्रतिबद्धताओं और मशीनरी पर निर्माण करने की आवश्यकता है, जैसे शीर्ष गठबंधन (Coalition of Peaks), ताकि दोनों कार्यनीतियां साझेदारी में एक साथ काम कर सकें।

हिंसा के सभी स्वरूपों से प्रभावित समुदायों में आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों के अधिक प्रतिनिधित्व को केवल प्रतिक्रियाओं के माध्यम से ही संबोधित किया जा सकता है, जिनमें आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों और संगठनों के नेतृत्व में सभी प्रयासों की पहचान, डिज़ाइन, कार्यान्वयन और आकलन की प्रतिक्रियाएँ शामिल होनी चाहिए। महिलाओं और बच्चों के प्रति हिंसा से संबंधित राष्ट्रीय योजना (National Plan) व्यवस्थाएँ, जो आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों को समावेशित करती हैं और उनके द्वारा सूचित होती हैं। इसे आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों के साथ वास्तविक साझेदारी और उनकी संपूर्ण भागीदारी पर आधारित करने की आवश्यकता है, जिसमें समुदाय के वयोवृद्धों के ज्ञान पर आगे निर्माण किया जाना भी शामिल है।

अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) को राष्ट्रीय समझौते (National Agreement) के तहत दिए गए आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों की आत्म-निर्णयात्मकता के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। इसके लिए सभी प्रभावित लोगों को प्रणालीगत नस्लवाद का सामना करने और सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित प्रथाओं तथा समग्र दृष्टिकोणों को बढ़ावा देने के प्रयासों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों को निर्णय लेने और उन्हें पारिवारिक हिंसा की प्रतिक्रियाओं के सभी क्षेत्रों में सेवाओं के वितरण का नेतृत्व करने में सक्षम बनाने के लिए आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) संगठनों और समुदायों की क्षमता का निर्माण करना आवश्यक है। परिवारों को मजबूत बनाने, व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर हिंसा की रोकथाम करने, और अंतरपीढ़ीगत आघात से बहाली को समर्थन देने तथा आदिवासी (Aboriginal) आत्म-निर्णयात्मकता को कार्यात्मक बनाने में आदिवासी (Aboriginal)

समुदाय द्वारा नियंत्रित किए जाने वाले स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र और आदिवासी (Aboriginal) समुदाय द्वारा नियंत्रित किए जाने वाले अन्य संगठनों की एक केंद्रीय भूमिका है।

हम इस बात को अभिस्वीकृति देते हैं कि आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों द्वारा अनुभव किए गए नुकसान की व्यापकता ने उपनिवेशीकरण तथा पुलिस और सरकारों की पूर्व कार्यप्रथाओं के अंतरपीढ़ीगत आघात के साथ संयुक्त रूप में उनके द्वारा अनुभव की जाने वाली हिंसा में अस्वीकार्य स्तरों से योगदान दिया है। आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों को अनुकूलित और सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त प्रतिक्रियाओं का नेतृत्व करने में समर्थन दिए जाने की आवश्यकता है। यह मात्र पारिवारिक हिंसा के लिए ही विशिष्ट कार्यक्रमों के माध्यम से नहीं, बल्कि नुकसान के सभी क्षेत्रों और नीति-निर्माण तथा सेवा वितरण के सभी पहलुओं, विशेषकर स्वास्थ्य, कल्याण, आवास, बाल संरक्षण, शिक्षा और रोजगार के माध्यम से होना चाहिए। यह आवश्यक है कि सरकारी अधिकारी और समुदाय के सदस्य यह महसूस करें कि वे भय से मुक्त होकर और आत्म-विश्वास के साथ हिंसा की सूचना दे सकते हैं। कार्यक्रमों और सेवा वितरण को पर्याप्त रूप से वित्त-पोषित और समर्थित किए जाने की आवश्यकता है, ताकि वे सरकारों के निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम हो सकें। हमें आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) समुदायों के लिए सेवा वितरण की पूर्व-सक्रिय प्रणाली की आवश्यकता है, जो कार्यकुशल और स्वस्थ समुदायों के निर्माण पर केंद्रित हो।

अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) को अपने वितरण में, विशेषकर आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) समुदायों में, पारिवारिक हिंसा के गैर-आनुपातिक प्रभाव के अनुभव को कम करने में वहनीयतापूर्ण सुधार प्राप्त करने के लिए स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा कर पाने में सक्षम होने की आवश्यकता है। हम सरकारों से आग्रह करते हैं कि वे एक तात्कालिक कार्य-योजना के लिए प्रतिबद्धता दें। सरकारों को अल्प, मध्यम और दीर्घावधि में नीति निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने या कार्यक्रमों को वित्त-पोषित करने वाले साहसिक लक्ष्य तय करने की आवश्यकता है, ताकि वे उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम बन पाएँ। सशक्त जवाबदेही और प्रगति की जांच करने के उपकरणों के साथ इनका मापन किए जाने की आवश्यकता है।

किफायती, सुलभ दीर्घकालिक आवास और समावेशी, सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त संकटकालीन आवास पीड़ित-उत्तरजीवी लोगों की सुरक्षा व बहाली के लिए मौलिक हैं और इन्हें प्राथमिकता दिए जाने की आवश्यकता है।

अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में सुरक्षित और किफायती आवास की सुलभता एक प्रमुख हिस्सा होनी चाहिए। इसमें सरकार के सभी स्तरों द्वारा निवेश किया जाना शामिल है, ताकि नए सामाजिक और किफायती आवास की पर्याप्त आपूर्ति करके यह सुनिश्चित किया जा सके कि हिंसा से बचकर पलायन करने वाले पीड़ित ठीक हो सकते हैं और कामयाब बन सकते हैं। आपातकालीन आवास, पारगमनकालीन आवास और दीर्घकालिक आवास, ये सभी महत्वपूर्ण हैं। महिलाओं और बच्चों को अपने घरों में सुरक्षित रहने के लिए समर्थन देने वाले कार्यक्रमों में निवेश किए जाने के साथ-साथ हिंसा का उपयोग करने वाले पुरुषों तथा पारगमनकालीन सुरक्षित आवास पर ध्यान केंद्रित करने वाले कार्यक्रमों की आवश्यकता है। आवास और NDIS जैसी अन्य समर्थन प्रणालियों के बीच बेहतर एकीकरण होना आवश्यक है।

यह आवश्यक है कि आवास प्रतिक्रियाएँ उन विकलांगता-ग्रस्त महिलाओं, LGBTIQA+ लोगों और हिंसक संबंध छोड़ने की इच्छुक प्रवासी तथा शरणार्थी महिलाओं के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों की पहचान करें और उनका उत्तर दें, जिनके लिए आवास के मौजूदा विकल्प सुरक्षित, सुलभ या सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त नहीं हो सकते हैं। इस बात को भी मान्यता देनी होगी कि आवासहीनता का अनुभव होने में सबसे तेजी से बढ़त बड़ी उम्र की महिलाओं के समूह में हो रही है। यह आवश्यक है कि हम दूर-दराज के और अत्यधिक दूर-दराज के समुदायों में विशिष्ट आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखें।

सभी रोकथाम और प्रतिक्रियाओं में विकलांगता-ग्रस्त महिलाओं के अनुभव को सुनने और अंतर्निहित करने की आवश्यकता है।

यह आवश्यक है कि प्राथमिक रोकथाम से लेकर प्रतिक्रिया तथा बहाली तक सभी परिभाषाएँ, विधान, नीतियाँ और संशोधन विकलाँगता ग्रस्त महिलाओं तथा लड़कियों को शामिल करने वाले हों - इसमें हिंसा के विशिष्ट प्रकार और वे परिवेश शामिल हैं जहाँ इसका अनुभव किया जा सकता है। नीतियों को यह प्रदर्शित करना चाहिए कि घरेलू और पारिवारिक हिंसा, विशेष रूप से मस्तिष्क पर चोट लगने के परिणामस्वरूप विकलांगता पैदा हो सकती है। विकलांगता-ग्रस्त महिलाओं और लड़कियों के लिए सामाजिक सुरक्षा (सोशल सिक्योरिटी), बाल संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य, NDIS, शिक्षा और आवास सहित सभी प्रणालियों की सुलभता की आवश्यकता है। प्रतिक्रियाओं में विकलांगता-ग्रस्त महिलाओं के लिए प्रौद्योगिकी के एक महत्वपूर्ण साधन होने को मान्यता देने की आवश्यकता है, ताकि वे सेवाओं के साथ संलग्न हो सकें, उनके साथ संचार कर सकें और उनकी सुलभता हासिल कर सकें।

विकलांगता-ग्रस्त महिलाओं को सभी चर्चाओं के केंद्र में रखा जाना आवश्यक है और प्रतिक्रियाओं में अलग-अलग पृष्ठभूमियों तथा अनुभवों वाली महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले भेदभाव के अन्य प्रारूपों के प्रतिच्छेदन की पहचान की जानी चाहिए - विशेषकर यह सुनिश्चित करना कि NDIS के पास घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के संकट से ग्रस्त विकलांगता-ग्रस्त महिलाओं के लिए आपातकालीन सहायता प्रदान करने का एक तंत्र मौजूद है, खासकर जहाँ देखभालकर्ता हिंसात्मक कृत्य कर रहा है।

हमें प्रवासी और शरणार्थी महिलाओं के पारिवारिक, घरेलू और यौन हिंसा के अनुभवों की पहचान करने तथा इनका उत्तर देने की आवश्यकता है

अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में ऑस्ट्रेलिया में प्रवासी और शरणार्थी महिलाओं को सीधे प्रभावित करने वाली प्रणालीगत बाधाओं और विविध प्रकार के अनुभवों को सभी क्षेत्रों में संबोधित करने की आवश्यकता है। सेवा और नीतिगत प्रतिक्रियाओं को आरंभ से ही अवरचना में शामिल किया जाना चाहिए, न कि बाद में सोचकर। सेवाओं को व्यापक प्रतिक्रियाएँ उपलब्ध कराने के लिए विशेषज्ञ सांस्कृतिक और आस्था-आधारित पारिवारिक हिंसा सेवाओं के वहनीय वित्त-पोषण और सामान्यवादी पारिवारिक हिंसा की क्षमता में संवृद्धि की आवश्यकता है। जो कारगर होगा, हमें उसके कार्यान्वयन को सक्रिय बनाने के लिए दीर्घकालिक निधीकरण के साथ में अच्छी अवरचना और प्रमाणों की आवश्यकता है। आरंभिक हस्तक्षेप, रोकथाम, प्रतिक्रिया और बहाली के लिए भागीदारियाँ समुदाय के नेतृत्व के तहत होनी आवश्यक हैं। बहाली के लिए सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित और उपयुक्त मॉडलों की आवश्यकता है, और पुरुषों के कार्यक्रमों में सांस्कृतिक और भाषा से संबंधित विचारणा के साथ-साथ वितरण में सामुदायिक विशेषज्ञता को शामिल करने की आवश्यकता है। बहुसांस्कृतिक और पुनर्वास क्षेत्र के संगठनों को परिवारों और समुदायों में रोकथाम, शिक्षा और समर्थन के लिए वित्त-पोषित किए जाने, और मुख्यधारा सेवाओं को अपनी प्रतिक्रियाओं में सुधार के लिए समर्थन दिए जाने की आवश्यकता है, जिसमें सुलभता में सुधार के लिए दुभाषिया सेवाओं की सुगमता निर्मित करना तथा द्विभाषी और द्विसांस्कृतिक समुदाय के कर्मियों की भूमिका का उपयोग करना शामिल है।

प्रवासी और शरणार्थी पृष्ठभूमियों के पीड़ित-उत्तरजीवी लोगों के लिए प्रतिक्रियाओं को एक सुरक्षा लेंस, मानवाधिकार ढांचे और सार्वभौमिक सुलभता के माध्यम से उपलब्ध कराए जाने की आवश्यकता है। प्रवासी और शरणार्थी समुदायों में आस्था, भाषा और संस्कृति की भूमिका को ताकत के आधार पर बहाली के मॉडलों को सूचित करने की आवश्यकता है। इनमें से कोई भी कारक किसी को भी प्राकृतिक रूप से हिंसा के प्रति आकर्षित नहीं करता है; बल्कि हिंसा की जड़ समाज के सभी वर्गों में लैंगिक असमानता है। अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में हिंसा का सामना करने वाली अस्थाई वीज़ाधारक महिलाओं की अनिश्चित स्थिति को संबोधित करने की आवश्यकता है, जिसमें काम करने के अधिकार, आय समर्थन, स्वास्थ्य देखभाल और आवास अतिमहत्वपूर्ण हैं। प्रवासी और शरणार्थी महिलाओं के अनुभवों के लिए समुदाय के नेतृत्व तथा कार्यप्रथाओं से

सूचित अनुसंधान में निवेश किए जाने, और साथ ही रोकथाम, आरंभिक हस्तक्षेप, प्रतिक्रिया और बहाली के लिए सबसे अच्छी कार्यप्रथाओं में भी निवेश किए जाने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय योजना (National Plan) में LGBTIQA+ समुदायों को शामिल करने की आवश्यकता है।

अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में LGBTIQA+ लोगों को हरेक पहलू में शामिल करने की आवश्यकता है। इसे LGBTIQA+ लोगों द्वारा अनुभव की जाने वाली हिंसा के लिंग-आधारित संचालकों, जैसे सिसजेंडेरिज़्म और विषमसामान्यता, लिंग-आधारित हिंसा का सामना कर रहे सभी लोगों को प्रभावित करने वाली लिंग-संबंधी सख्त छवियों और मानदंडों, तथा पारिवारिक व घरेलू हिंसा के पीड़ित-उत्तरजीवियों में ट्रांस, लिंग-विविध और गैर-द्विलिंगी लोगों के अधिक प्रतिनिधित्व की पहचान करनी चाहिए। अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में वास्तव में प्रतिच्छेदन शामिल होना चाहिए, तथा इसे उन LGBTIQA+ लोगों की आवश्यकताओं को संबोधित करना चाहिए, जिन्हें विकलांगता-ग्रस्त LGBTIQA+ जैसे कई अलग-अलग कोणों से संरचनात्मक उत्पीड़न का अनुभव होता है। हमें LGBTIQA+ समुदाय द्वारा नियंत्रित संगठनों के लिए सुरक्षित और वहनीय निधीकरण की आवश्यकता है। इस दृष्टिकोण के तहत LGBTIQA+ लोगों को लक्षित पहलों के माध्यम से मुख्यधारा नीति और कार्यक्रम के विकास में शामिल करने की आवश्यकता है।

घरेलू, पारिवारिक और यौन हिंसा क्षेत्र तथा LGBTIQA+ क्षेत्रों के बीच विशेषज्ञ सहयोग को सक्षम बनाने के लिए बेहतर वित्त-पोषण की आवश्यकता है, ताकि सफल और लगातार बनी रहने वाली साझेदारियां सुनिश्चित की जा सकें जो सशक्त LGBTIQA+ सेवा क्षेत्र और समावेशी तथा उत्तरदायी घरेलू, पारिवारिक और यौन हिंसा क्षेत्र का निर्माण करती हैं। परस्पर प्रतिच्छेदन करने वाली सभी सेवा प्रणालियों में निवेश और लगातार डेटा संग्रह किए जाने की आवश्यकता है, जैसे आवास और आवासहीन होने की प्रणालियाँ, घरेलू और पारिवारिक हिंसा विशेषज्ञ सेवाएँ, और LGBTIQA+ लोगों का समावेशन। हमें इस बात को मान्यता देने की आवश्यकता है कि LGBTIQA+ मानवाधिकार आंदोलन के अंदर अलग-अलग अनुभवों और आवश्यकताओं वाली आबादियाँ और समुदाय मौजूद होते हैं, जैसे उभयलिंगी+ महिलाएँ (सिस और ट्रांस), समलैंगिक महिलाएँ (सिस और ट्रांस), पारलिंगी महिलाएँ, पारलिंगी पुरुष, ब्रदरबॉयज़ और सिस्टरगर्ल्स, गैर-द्विलिंगी लोग, समलैंगिक और उभयलिंगी पुरुष (सिस और ट्रांस), अंतर्लिंगी लोग और अलैंगिक लोग।

बच्चों और युवा लोगों को अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में प्रदर्शित करने और उनके खुद के अस्तित्व के रूप में उनपर विचार किए जाने की आवश्यकता है।

यदि हम महिलाओं के प्रति हिंसा की रोकथाम को लेकर गंभीर हैं, तो हमें बचपन में हिंसा की रोकथाम के लिए गंभीर बनने की आवश्यकता है। बच्चों और युवा लोगों को अलग से ही हिंसा के पीड़ितों और उत्तरजीवियों के रूप में अभिस्वीकृति दी जानी चाहिए, जिसमें पूरे जीवन-भर के लिए गंभीर नकारात्मक परिणाम और आर्थिक लागतें शामिल हैं। बच्चों को राष्ट्रीय योजना (National Plan) में दिखाई देने की आवश्यकता है। बच्चों और युवा लोगों की सुरक्षा करना भी अतिमहत्वपूर्ण है, ताकि उनके बाद के जीवन में उन्हें घरेलू तथा पारिवारिक हिंसा एवं यौन उत्पीड़न का अनुभव होने से बचाया जा सके। अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में बच्चों के लिए रोकथाम, प्रतिक्रिया और बहाली के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

सभी प्रणालियों में सेवाओं को एक-साथ काम करने की आवश्यकता है, और उन्हें अलग-अलग नहीं किया जा सकता है। विशेषज्ञ सेवाओं और बाल संरक्षण प्रणालियों के बीच साझेदारी को औपचारिक रूप देने से संयुक्त हस्तक्षेप प्रदान करने में सहायता मिलेगी, जिनसे बच्चों को और अधिक नुकसान नहीं पहुँचेगा और हिंसा के आघात से उबरने के लिए परिवारों को समर्थन मिलेगा। बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वयस्कों को जवाबदेह बनाने की आवश्यकता है, लेकिन बच्चों को स्वयं अपने अनुभवों की पहचान करने के लिए उपकरण व भाषा में सशक्त बनाया जाना चाहिए, और उन्हें सेवाओं का उपयोग करने तथा दूसरों के सामने चिंताएँ प्रकट करने के लिए समर्थित किया जाना चाहिए। नीति और कार्यप्रथा को बच्चों की आवाज़ों और जीवंत अनुभवों से सूचित होना चाहिए। इस संदर्भ में हमें ऐसे बच्चों और युवाओं के लिए मार्ग में परिवर्तन करने की भी आवश्यकता है, जो संपूर्ण परिवारों को समर्थित करने के लिए घर में घरेलू, पारिवारिक और यौन हिंसा का उपयोग कर रहे

हैं। संसाधनों और कार्यक्रमों में घर के परिवेश में सुरक्षा का समर्थन किए जाने की आवश्यकता है, और प्रतिक्रियाओं में स्कूलों और आरंभिक शिक्षण केंद्रों द्वारा संभावित रूप से निभाई जा सकने वाली भूमिका की पहचान करने की आवश्यकता है। हमें बच्चे को हटाने की दरों को कम करने के उद्देश्य से आरंभिक हस्तक्षेप और सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित पारिवारिक सहायता सेवाएँ प्रदान कराने, तथा आउट-ऑफ-होम देखभाल प्रणाली में बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण की पूरी जिम्मेदारी लेने की आवश्यकता है।

क्षेत्रीय, ग्रामीण, दूर-दराज और अत्यधिक दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उचित और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की सुलभता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है

यह आवश्यक है कि क्षेत्रीय, ग्रामीण, दूर-दराज और अत्यधिक दूर-दराज के समुदायों में लोगों को पीछे न छोड़ा जाए, विशेषकर जब आवास, स्वास्थ्य सेवाओं, प्रौद्योगिकी और परिवहन जैसे बुनियादी ढांचे की बात हो। स्थानीय समुदायों को अपने समुदायों में लिंग-आधारित हिंसा की रोकथाम करने और इसका उत्तर देने के लिए स्थानीय, स्थल-आधारित समाधान विकसित करने में सशक्त बनाने और संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों में, विशेषकर दूर-दराज के समुदायों में, विश्वसनीय, सुलभ और समुचित सहायता सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर अधिक ध्यान दिए जाए की आवश्यकता है। सेवाओं को जोड़ने के लिए अभिनव समाधानों के इस्तेमाल की आवश्यकता है, जैसे स्वास्थ्य या पशु-चिकित्सा सेवाएँ और विशेषज्ञ घरेलू हिंसा सेवाएँ। सेवा व्यवस्थाओं को इन समुदायों में सेवाएँ प्रदान करने की ऊंची लागतों को ध्यान में रखने और आवश्यकताओं पर आधारित वित्त-पोषण उपलब्ध कराने की आवश्यकता है, जिसमें डेटा और आकलन भी शामिल है। इन्हें समुदायों के साथ सह-अवरचित किए जाने की आवश्यकता है, और इनकी प्रभाविता और सुरक्षितता सुनिश्चित करने के लिए नीतियों तथा परियोजनाओं को जीवंत अनुभव के विचारों से अवगत होने की आवश्यकता है।

प्रतिक्रियाओं को स्थानीय रूप से अवरचित और वितरित किया जाना चाहिए, और इन समुदायों में लिंग-आधारित हिंसा के खतरे से ग्रस्त लोगों द्वारा अनुभव की जाने वाली विशिष्ट चुनौतियों की पहचान किए जाने की आवश्यकता है, जैसे पशुधन या पालतू जानवरों के साथ सहायता, आवास की सुलभता, या हिंसक संबंधों को छोड़ने में सक्षम बनने के लिए नकद भुगतान सुलभ होने की आवश्यकता। मुख्यधारा परामर्श प्रतिक्रियाओं को स्थानीय चुनौतियों का उत्तर देने में सक्षम होना चाहिए, ताकि महिलाओं को उचित समर्थन प्राप्त हो सके। सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए विशेषज्ञ यौन उत्पीड़न सेवाएँ उपलब्ध कराए जाने की आवश्यकता है। मुख्यधारा परामर्श प्रतिक्रियाओं को स्थानीय चुनौतियों का उत्तर देने में सक्षम होना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घरेलू, पारिवारिक और यौन हिंसा से प्रभावित हरेक व्यक्ति के लिए सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित और विशेषज्ञतापूर्ण आघात-सूचित समर्थन सुलभ हो पाए। इसमें दूर-दराज और अत्यधिक दूर-दराज के समुदायों में लोगों की विशिष्ट और अनन्य आवश्यकताओं, तथा साथ ही आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) लोगों तथा विविधतापूर्ण पृष्ठभूमियों वाले अन्य समुदायों (जैसे विकलांगता के साथ जीने वाले लोगों, LGBTIQA+ लोगों तथा सांस्कृतिक और भाषाई रूप से विविधतापूर्ण समुदायों) को प्रतिबिंबित किए जाने की आवश्यकता है।

उत्तरजीवी लोगों के पास ठीक होने और बहाली के लिए समर्थन मिलने का अधिकार है

लिंग-आधारित हिंसा के कारण होने वाला आघात उत्तरजीवी लोगों के जीवन की गुणवत्ता में गिरावट लाता है, जिसमें गंभीर शारीरिक, मानसिक, मनोवैज्ञानिक और आर्थिक प्रभाव शामिल हैं, और इसके अंतरपीढ़ी प्रभाव भी होते हैं। कई उत्तरजीवियों को बहाली समर्थन प्राप्त करने का अवसर नहीं मिला है, जिसका अर्थ है कि कई लोग अनावश्यक रूप से लंबे समय तक आघात के प्रभावों के साथ जीवन जीते हैं, जिसके कारण उन्हें अनुभव होने वाला नुकसान और भी फैल जाता है। विशेषज्ञ सेवाओं के लिए पर्याप्त निधीकरण और भी अधिक उत्तरजीवी लोगों को उनके प्रति हुई हिंसा का खुलासा करने तथा हिंसा के कारण हुए आघात को संसाधित करने की अनुमति देगा। यौन उत्पीड़न की प्रतिक्रिया प्रणाली के सभी भागों को विशेषज्ञ प्रशिक्षण लेना महत्वपूर्ण है, ताकि वे ऐसे वर्तमान सांस्कृतिक मुद्दों को पर्याप्त रूप से संबोधित कर सकें, जो यौन उत्पीड़न से प्रभावित लोगों की आवश्यकताओं का प्रभावी ढंग से उत्तर देने में बाधा डालते हैं।

संकट प्रतिक्रियाएँ पर्याप्त नहीं हैं। महिलाओं और बच्चों, तथा यौन, पारिवारिक और घरेलू हिंसा के अन्य उत्तरजीवियों के पास आघात से उबरने के लिए उच्च गुणवत्ता के समर्थन का अधिकार है और इस बात की पहचान की जाती है कि इसमें काफी अधिक समय लग सकता है। विशेषज्ञ यौन उत्पीड़न सेवाओं के पास विशेषकर बहाली समर्थन प्रदान करने के लिए बेहतरीन विशेषज्ञता होती है, लेकिन जब इसका अनुरोध करने वाले सभी उत्तरजीवियों के लिए इसे उपलब्ध कराने के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं, तो इसकी आवश्यकता वाले लोगों को तो यह समर्थन बिल्कुल ही नहीं उपलब्ध कराया जा सकता है। घरेलू, पारिवारिक और यौन हिंसा के कई उत्तरजीवियों को बहाली और पुनर्प्राप्ति को बढ़ावा देने वाली कोई भी सेवाएँ सुलभ नहीं हैं, जिनमें यौन उत्पीड़न और यौन दासता के उत्तरजीवी भी शामिल हैं। इसमें ऐसे कार्यक्रमों और समर्थनों की सुलभता भी शामिल है, जो उनके जीवन को फिर से स्थापित करने और समुदाय का निर्माण करने में सहायता देते हैं, ताकि वे कामयाब हो सकें। अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) को अंतरपीढ़ीगत आघात समेत आघात के चक्रों का अंत सुविधाकृत कराने की आवश्यकता है। इससे सभी पीड़ित-उत्तरजीवियों, और विशेषकर आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) समुदायों को लाभ होगा, जिन्होंने गैर-अनुपातिक रूप से हिंसा के ऊँचे स्तर का अनुभव किया है। इसके लिए आघात-सूचित होने की सीमित अवधारणाओं के बजाय आघात और पुनर्प्राप्ति-अवगत होने की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) को राष्ट्रीय पीड़ित सलाहकार समूह द्वारा सूचित किया जाना चाहिए।

यौन हिंसा पर, जिसमें यौन उत्पीड़न भी शामिल है, महत्वपूर्ण ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है

यौन हिंसा को लिंग-आधारित हिंसा के रूप में, और अपने आप में ही एक अलग अपराध के रूप में इस तरह से संबोधित किए जाने की आवश्यकता है, जिससे पीड़ित-उत्तरजीवियों को प्रतिक्रियाओं के केंद्रीय भाग में लाया जा सके। हमें यौन हिंसा की एक स्पष्ट, साझी परिभाषा की आवश्यकता है जो यौन हिंसा की सीमाओं को मान्यता देती है, और सभी राज्यों और राज्य-क्षेत्रों में एक समग्र जीवनावधि दृष्टिकोण को लागू किए जाने की आवश्यकता है। अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में यौन हिंसा की प्रतिक्रियाओं में प्राथमिक रोकथाम, आरंभिक हस्तक्षेप, संकट, कानूनी और न्याय प्रक्रियाएँ तथा पुनर्प्राप्ति, बहाली और मुआवज़ा शामिल करने की आवश्यकता है। पुनर्प्राप्ति और बहाली के लिए विशेषज्ञ सेवाएँ तब तक आवश्यक होती हैं, जब तक उत्तरजीवी लोगों को समर्थन चाहिए होता है; वर्तमान में यह संसाधनों से बाधित है। अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) में हानिकारक यौन व्यवहारों की पहचान करने और इसके लिए कार्य को संसाधित करने की आवश्यकता है, विशेषकर बच्चों और युवा लोगों के लिए, ताकि उन्हें इसका उपयोग करने से रोकने में समर्थन दिया जा सके। इनमें ऊंचे स्तर पर कानूनी संगतता को सम्मिलित करने की आवश्यकता है, जिसमें सभी राज्यों और राज्य-क्षेत्रों में सहमति की राष्ट्रीय स्तर पर सुसंगत परिभाषा शामिल है। ऑस्ट्रेलिया में कार्यबल छोड़ने वाले लोगों की संख्या को कम करने में सहायता के लिए सरकारों को राष्ट्रीय नेतृत्व प्रदान करने की आवश्यकता है और आपराधिक न्याय प्रणाली में आगे बढ़ने की अवधि में उत्तरजीवी लोगों को पुन:आघात का अनुभव होने की संभावना को कम करने के उपायों को लागू करने की आवश्यकता है, तथा प्रतिक्रिया के वैकल्पिक मॉडलों पर भी विचार किया जाना आवश्यक है। आपराधिक न्याय प्रणाली को पीड़ित-उत्तरजीवी लोगों के लिए सुरक्षित, सुलभ और आघात-सूचित होने की आवश्यकता है।

पूरे जीवन-भर की अवधि में होने वाले यौन हिंसा के सभी स्वरूपों को संबोधित किए जाने की आवश्यकता है, जिसमें बाल यौन शोषण, विकलांगता-ग्रस्त महिलाओं और लड़कियों का बंध्याकरण और अंतर्लिंगी शिशुओं पर अनावश्यक चिकित्सा प्रक्रियाएँ, घरेलू और पारिवारिक हिंसा तथा संस्थागत परिवेशों में दुर्व्यवहार के संदर्भ में यौन हिंसा, महिला जननांग विकृति/इसे काटने, प्रौद्योगिकी-सुविधाकृत यौन दुर्व्यवहार और कार्यस्थल में यौन हिंसा तथा उत्पीड़न शामिल हैं।

सभी सरकारों को ऑस्ट्रेलियाई कार्यस्थलों में यौन उत्पीड़न की रोकथाम करने और इसे संबोधित करने के लिए प्रासंगिक संस्तुतियों को पूरा करना जारी रखने की आवश्यकता है। राष्ट्रमंडल सरकार को Respect@Work रिपोर्ट में दी गई सभी सिफारिशों को प्राथमिकता देना जारी रखने की आवश्यकता है। इसमें कार्यस्थलों में यौन भेदभाव, यौन शोषण और उत्पीड़न को समाप्त करने के लिए समुचित और आनुपातिक दिशानिर्देश लागू करने का सकारात्मक कर्तव्य शामिल है।

हमें पुरुषों के साथ-मिलकर काम करने और अपराधियों के व्यवहार को बदलने में निवेश करने की आवश्यकता है।

महिलाओं के प्रति हिंसा की रोकथाम में सभी पुरुष अहम भूमिका निभाते हैं। हमें महिलाओं के प्रति हिंसा को बढ़ावा देने वाली पौरुष की प्रमुख और हानिकारक अवधारणाओं पर ध्यान देने की ज़रूरत है। प्रणाली पीड़ित-उत्तरजीवियों पर एक भारी बोझ डालती है और इस पर पुनर्विचार करके इस बोझ को हिंसा का उपयोग करने वाले व्यक्ति पर हस्तांतरित किए जाने की आवश्यकता है। पीड़ित व्यक्ति की सुरक्षा पर केंद्रीय रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है, और इसमें अपराधियों को घर से हटाना शामिल है जिसके लिए आवास के पर्याप्त विकल्पों की आवश्यकता है। यह हर जगह किए जाने की आवश्यकता है, जिसमें पीड़ित-उत्तरजीवी को किसी सुरक्षित स्थान में रखना, सामाजिक सेवा की प्रतिक्रिया और पुलिस तथा न्याय प्रतिक्रियाएँ भी शामिल हैं।

कार्यवाही-आधारित अनुसंधान में और अधिक निवेश किए जाने की आवश्यकता है - हमें प्रमाण-आधारित अनेकानेक हस्तक्षेपों को आगे विकसित करना होगा, ताकि पीड़ित-उत्तरजीवी को सुरक्षित रखने पर ध्यान केंद्रित करते हुए हिंसा और शोषण का उपयोग करने वाले विविध पुरुषों का उत्तर दिया जा सके। हमें अनेकानेक परिवेशों में, तथा संस्थागत, सामुदायिक और व्यक्तिगत स्तर पर हिंसा का उपयोग करने वाले, या उपयोग करने के खतरे वाले पुरुषों के साथ काम करने की आवश्यकता है। अपराधी हस्तक्षेपों में और अधिक निवेश किए जाने की आवश्यकता है, तथा इन्हें खतरा आकलन और शमन, साक्ष्य और जीवंत विशेषज्ञता द्वारा सूचित किया जाना आवश्यक है और इसमें इस प्रणाली से पहले होकर गुजरे पुरुषों को भी शामिल किया जाना चाहिए। कार्यक्रमों को अनुरूपित और स्थानीय तथा सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त प्रतिक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, जिसके आधार में जो कारगर है, वह होना चाहिए, और इन कार्यक्रमों का संचालन योग्यता-प्राप्त एवं सक्षम कर्मचारियों द्वारा किया जाना चाहिए, जो इस अतिविशेषज्ञतापूर्ण कार्य की बारीकियों को समझते हैं।

महिलाओं और बच्चों, तथा यौन, पारिवारिक और घरेलू हिंसा के अन्य उत्तरजीवियों के पास आघात से उबरने के लिए उच्च गुणवत्ता के समर्थन का अधिकार है और इस बात की पहचान की जाती है कि इसमें काफी अधिक समय लग सकता है। इस डेटा को पूरे सिस्टम में प्रतिक्रियाओं को सूचित करने की आवश्यकता है - प्राथमिक रोकथाम, आरंभिक हस्तक्षेप, प्रतिक्रिया और व्यवहार परिवर्तन तथा बहाली को बनाए रखना। सभी पुरुषों के व्यवहार परिवर्तन कार्यक्रमों में एक भली-भांति संसाधित पीड़ित-उत्तरजीवी समर्थन पहलू को शामिल किए जाने की आवश्यकता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हस्तक्षेप से अनपेक्षित खतरे न पैदा हों। हमें उन पुरुषों के साथ काम करने वाले लोगों की क्षमता के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता करने की आवश्यकता है, जो सबसे अच्छी कार्यप्रथाओं में बिना किसी गिरावट के साथ सहमत व सशक्त राष्ट्रीय मानकों को पूरा करती है। हमें कार्यस्थलों को अपने कर्मियों के अनुभवों को विशेषज्ञतापूर्वक संबोधित करने के लिए प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

हमें महिलाओं और बच्चों को समर्थन देने के लिए आवश्यक सेवा प्रणाली प्रतिक्रियाओं में सुधार करने और उन्हें समुचित रूप से संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता है

अच्छे स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य, आर्थिक सुरक्षा और आवास महत्वपूर्ण हैं - महिलाओं की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा किए जाने की आवश्यकता है, ताकि वे हिंसक संबंधों को छोड़कर बाहर निकल सकें और अपनी बहाली को समर्थित कर सकें। हमें विशेषज्ञतापूर्ण पारिवारिक, घरेलू और यौन हिंसा सेवाओं को समर्थित करने और मुख्यधारा सेवाओं को उत्तर देने तथा समाधानों की पहचान करने के लिए उन्हें बेहतर रूप से लैस करने की आवश्यकता है। यह आवश्यक है कि स्वास्थ्य सेवाएँ किफायती, सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और सुलभ हों, ताकि सभी महिलाओं और बच्चों को समग्र, एकीकृत, रैप-एराउंड, बहुक्षेत्रीय सेवाएँ सुलभ हो सकें। सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध और सुलभ होनी चाहिए, चाहे उनकी जगह, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, पृष्ठभूमि या पहचान कुछ भी हो। रेफरल मार्गों में सुधार के लिए विशेषकर जीपी, विशेषज्ञ सेवाओं और वित्तीय परामर्श प्रणालियों के बीच और अधिक निवेश तथा समर्थन उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य प्रणालियों को हिंसा का अनुभव करने वाली, या इसके खतरे वाली महिलाओं और बच्चों को बेहतर समर्थन देने की आवश्यकता है। पूरे समुदाय में और अलग-अलग क्षेत्रों में संपूर्ण समावेशवन वाली प्रतिक्रियाओं की

आवश्यकता है। यह आवश्यक है कि वित्त-पोषण करते समय यह ध्यान में रखा जाए कि कार्यक्रमों का स्थानीयकृत होना आवश्यक है, ताकि कार्यक्रमों और मॉडलों का विकास किया जा सके और उन्हें प्रत्येक क्षेत्र की प्रणालियों में शामिल किया जा सके।

और अधिक तथा निरंतर निवेश की आवश्यकता है, जिसमें सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और लक्षित सहायता प्रदान करने वाली सेवाओं तथा कार्यबल के विकास में निवेश भी शामिल है। पूरे ऑस्ट्रेलिया-भर में लिंग-आधारित हिंसा की सुसंगत परिभाषाओं से बेहतर प्रतिक्रियाओं, हस्तक्षेप और खतरा आकलन को समर्थन मिलेगा। राष्ट्रीय सहभागिता समझौते (National Partnership Agreement) को अगली राष्ट्रीय योजना (National Plan) की पूरी अवधि के लिए सशक्त और समन्वित साझेदारी प्रदान करनी चाहिए, लेकिन इसे जवाबदेयता सुनिश्चित करने के लिए सुस्पष्ट लक्ष्यों और उपायों के साथ-साथ सेवाओं के परिचालन में सहायता के लिए पारदर्शिता की आवश्यकता है। सेवाओं को व्यक्तिपरक और प्रणालीबद्ध, दोनों स्वरूपों में पक्ष-समर्थन की क्षमता बनाए रखने की आवश्यकता है, और ऐसा करने के लिए उन्हें वित्त-पोषण मॉडलों द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। उत्तरजीवी लोगों को पक्ष-समर्थन के लिए अपनी कहानियों का अधिकार बनाए रखने की आवश्यकता भी है।

हमें बलपूर्वक नियंत्रण सहित सभी प्रकार की हिंसा के लिए अपनी कानूनी प्रतिक्रियाओं में सुधार करने की आवश्यकता है

घरेलू, पारिवारिक और यौन हिंसा की स्पष्ट और सुसंगत परिभाषाएँ होना आवश्यक है। साझा की जाने वाली भाषा और समझ सुनिश्चित करने के लिए हमें बलपूर्वक नियंत्रण के बारे में राष्ट्रीय चर्चा करने की आवश्यकता है। हिंसा की किसी भी परिभाषा को, जिसमें बलपूर्वक नियंत्रण को संदर्भित करने वाली परिभाषाएँ भी शामिल हैं, सावधानीपूर्वक मान्यता देने और परिभाषित किए जाने की आवश्यकता है, तथा यह सबसे व्यापक परिभाषा होनी चाहिए। राष्ट्रीय सिद्धांतों को बलपूर्वक नियंत्रण प्रणाली की समझ पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। शिक्षा, संस्कृति में परिवर्तन तथा जागरुकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से पुलिस, पक्ष-समर्थकों और न्यायपालिका के लिए। सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित चर्चाओं के साथ सार्थक परामर्श करने की आवश्यकता है, जो न्याय प्रणाली से असंगत रूप से प्रभावित होने वाले आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) समुदायों तथा अन्य लोगों के लिए अनपेक्षित परिणामों को ध्यान में रखती हैं। यह एक संपूर्ण प्रणाली का मुद्दा है - न कि मात्र कानूनी प्रणाली का, तथा इसमें संपूर्ण प्रणाली में सुधार किए जाने की आवश्यकता है, ताकि अपराधियों को जवाबदेह बनाया जा सके और पीड़ित-उत्तरजीवियों को समर्थित किया जा सके, उदाहरण के लिए कानूनी सलाह की बेहतर सुलभता के माध्यम से। व्यवसायों को बलपूर्वक नियंत्रण को समझने और अपने कर्मचारियों व इसका अनुभव करने वाले सेवा के उपयोगकर्ताओं को समर्थित करने में एक भूमिका निभानी है।

कानूनी प्रतिक्रियाओं में सुधार का मतलब है कि कानूनी प्रणाली सुरक्षित, सुलभ और समावेशी है, जिसमें पारिवारिक कानून प्रणाली भी शामिल है। अलगाव के समय पारिवारिक हिंसा का खतरा सबसे अधिक होता है और पारिवारिक हिंसा के पीड़ितों के लिए संबंध टूटने के चरण से लेकर पालन-पोषण व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिए जाने तक 'अलगाव' जारी बना रहता है। पारिवारिक कानून प्रणाली में की गई कई जांचों में पारिवारिक कानून प्रणाली में पारिवारिक हिंसा के पीड़ितों के अनुभव और सुरक्षा में सुधार के लिए महत्वपूर्ण संस्तुतियाँ दी गई हैं। इन सिफारिशों पर विचार किए जाने की आवश्यकता है और जहाँ उचित हो, इन्हें लागू किया जाना चाहिए। हाल ही में पारिवारिक कानून प्रणाली में आरंभ की गई पहलें पारिवारिक हिंसा का सामना कर रहे परिवारों के लिए महत्वपूर्ण लाभ प्रदर्शित कर रही हैं। इन पहलों का मूल्यांकन करने, और जहाँ इनका प्रभाव प्रदर्शित हो, इन्हें विस्तारित और वहनीय तरीके से निधीकृत किए जाने की आवश्यकता है।

हमें लिंग-आधारित हिंसा के ऐसे विशिष्ट स्वरूपों पर कानूनी सुधार देखने की आवश्यकता भी है, जो कानूनी बने रहते हैं और महिलाओं व बच्चों के विशेष समूहों को गैर-आनुपातिक रूप से प्रभावित करते हैं, जिनमें महिलाएँ और विकलांगता-ग्रस्त लड़कियाँ, तथा आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट द्वीपवासी (Aboriginal and Torres Strait Islander) महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं।

हमें प्रौद्योगिकी द्वारा सुविधाकृत शोषण, तथा महिलाओं के ऑनलाइन शोषण और अनादर पर भी अपना ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है

प्रौद्योगिकी-सुविधाकृत शोषण वास्तविक और लंबे समय तक बने रहने वाले नुकसान पहुँचाता है और यह भविष्य में फिर से हिंसा होने का खतरा प्रकट कर सकता है। कार्यबल को इस बारे में प्रशिक्षण और जानकारी की सुलभता के लिए बेहतर समर्थन दिए जाने की आवश्यकता है कि अपराधी महिलाओं के लिए खतरा पैदा करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग कैसे करते हैं, जिसमें नई और उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ भी शामिल हैं। प्रौद्योगिकी और वित्त के क्षेत्र पहले से ही इस दुरुपयोग की पहचान और इसकी रोकथाम करने के लिए कार्यवाही कर रहे हैं, और निजी क्षेत्र को इस नेतृत्व को जारी रखने के लिए तथा सभी उत्पादों और सेवाओं में अवरचना द्वारा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए समर्थन देने की आवश्यकता है। संस्कृति में ये परिवर्तन नियामक और कानूनी प्रतिक्रियाओं के संपूरक और समर्थक हो सकते हैं।

युवा लोगों और महिलाओं को प्रौद्योगिकी-सुविधाकृत दुर्व्यवहार का अनुभव होने पर उन्हें बेहतर समर्थन दिए जाने की आवश्यकता है, ताकि वे प्रौद्योगिकी का उपयोग करना जारी रख सकें लेकिन उनकी बहाली भी हो सके, ताकि वे ऑनलाइन होने पर सुरक्षित महसूस कर सकें, विशेषकर जबकि COVID-19 के कारण प्रौद्योगिकी का उपयोग और भी बढ़ गया है। अग्रिमपंक्ति के सेवा प्रदाताओं, पुलिस और न्याय प्रणाली के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण में संवृद्धि की आवश्यकता है, ताकि प्रौद्योगिकी-सुविधाकृत दुर्व्यवहार की वास्तविकता और प्रभाव की साझा समझ सुनिश्चित की जा सके और दुर्व्यवहार करने वाले लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। यह आवश्यक है कि इसका ध्यान शोषण के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के बजाय शोषक व्यक्ति के व्यवहारों पर केंद्रित हो। प्रतिक्रियाओं में विकलांगता-ग्रस्त महिलाओं जैसी कुछ विशिष्ट महिलाओं पर प्रौद्योगिकी-सुविधाकृत शोषण के गैर-अनुपातीय प्रभाव की पहचान करने की आवश्यकता है। प्रतिक्रियाओं में अच्छे के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग भी शामिल होना चाहिए।

लिंग-आधारित हिंसा को संबोधित करना सभी की जिम्मेदारी है

लिंग-आधारित हिंसा की रोकथाम करने, इसका उत्तर देने तथा इसे संबोधित करके की जिम्मेदारी सभी की है। समुदाय की प्रकृति लिंग-आधारित तो होती है, किंतु लिंग-आधारित हिंसा के प्लेग को समाप्त करने के लिए समग्र समुदाय की प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है।

हमें सभी परिवेशों में किए गए काम को देखने की आवश्यकता है - कार्यस्थल, शिक्षा, खेल, समुदाय – ताकि अनादरपूर्ण व्यवहार को प्रकट किया जा सके और लैंगिक समानता को अंतर्निहित किया जा सके।

सभी परिवेशों को पीड़ित-उत्तरजीवियों के अनुभवों का बेहतर तरीके से उत्तर देने, और हिंसा व शोषण का उपयोग करने वाले लोगों को अपना व्यवहार बदलने की यात्रा आरंभ करने में सक्षम बनाने की आवश्यकता है, ताकि हम लिंग-आधारित हिंसा को समाप्त कर सकें।